

# झालावाड़ पत्रिका

पद्मश्री कैलाश  
खेर के गीतों पर  
झुमे श्रोता



पेज@11

झालारापाटन . अकलेरा . भवानीमंडी . पिड़ावा . चौमहला . मनोहरथाना . बकानी . डग . सुनेल . खानपुर

पत्रिका  
डिजिटल  
कनेक्ट



**आपके साथ चलेंगी खबरें**  
पत्रिका डिजिटल पर अपनी खबर का व्यापक कवरेज, वीडियो व फोटो देखने और अपनी राय रखने के लिए संबंधित लोगों के साथ दिए लिंक को मोबाइल पर टाइप कर...

यहां आपकी या आपके क्षेत्र की खबर से जुड़ा वीडियो अपने मोबाइल फोन पर देख सकते हैं।

इस लिंक की मदद से देखें घटना-कार्यक्रम से जुड़ी अन्य तस्वीरें।

यहां मिलेंगी खबर से जुड़ी विभिन्न फोटोओं के बारे में विस्तृत और एक्सक्लूसिव जानकारी।

अपने शहर, प्रदेश और देश-दुनिया के मुद्दों से जुड़े ऑनलाइन सर्वे में शामिल होकर दें अपनी राय।

आप संबंधित मुद्दों-खबर पर अपने विचार कमेंट बॉक्स में बतान सकते हैं।

पत्रिका टीवी पर देखें पल पल की खबरों के अपडेट और व्यापक कवरेज। पत्रिका के यूट्यूब चैनल पर देखें खबरों के ताजा वीडियो।



झालावाड़, नवसंवत्सर के मौके पर निकाली शोभायात्रा में शामिल लोग।



झालावाड़, वाहन पर रैली में शामिल महिलाएँ व नृत्य करते युवा।

भगवामय हुआ झालावाड़, निकला जुलूस, मातृशक्ति केसरिया पोशाक में शामिल हुईं

## सड़कों पर उमड़ा पूरा शहर, चहुंओर रही जय श्री राम की गूंज



पत्रिका  
धर्म-  
कर्म

पत्रिका न्यूज नेटवर्क  
patrika.com

झालावाड़, नवसंवत्सर का आगाज बुधवार को हुआ। शहर में हिन्दू नववर्ष समिति के तत्वावधान में भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस की शुरुआत राजकीय पीजी कॉलेज के सामने से 2.30 बजे पीपाधाम के संत झंकारेश्वर दास त्यागी महाराज ने हनुमान चालीसा के पाठ के साथ किया। जुलूस में सबसे आगे युवाओं की टीम केसरिया पताका लेकर चल रही थी, तो कई युवा धार्मिक भजनों पर नृत्य करते हुए चल रहे थे। चारों तरफ श्रीराम के भजनों की गूंज सुनाई दे रही थी। जुलूस में बाग्शी पर सवार श्रीराम की झांकी आगे-आगे चल रही थी। नववर्ष के स्वागत में बुधवार को पूरा शहर उमड़ पड़ा। 'जुलूस में इतनी भीड़ थी कि पैर रखने की भी जगह नहीं थी। लोग एक-दूसरे को नववर्ष की बधाई देते हुए चल रहे थे। जुलूस मामा-भाजा चौराहा, मूर्ति चौराहा, मंगलपुरा, बस स्टैंड, बड़े बाजार होते हुए गढ़ परिसर में समाप्त हुआ, जहां शाम को महाआरती के बाद द्वारकेश महाराज का उद्बोधन हुआ। शहर में जगह-जगह चौराहों व जुलूस मार्ग को केसरिया पताकाओं से जोरदार तरीके से सजाया गया।

**झाकियों ने मोहा मन**  
जुलूस में कोटा के महाकाल प्रुप द्वारा हनुमानजी, कृष्णा, राधाकृष्णा, शिव परमती सहित एक दर्जन से अधिक सजीव झाकियों का प्रदर्शन किया। खैर युवावन के कलाकारों ने भी राधा-श्रीकृष्ण को रासलीलाओं का मनन किया।



झालावाड़, हिन्दू नवसंवत्सर पर केसरिया ध्वज लहराते हुए भजनों पर नाचते युवा।

**तोपों व ग्लाइडर से हुआ स्वागत**

जुलूस में उज्जैन की तोपों से जगह-जगह स्वागत किया गया। उज्जैन की भस्म रमेया पार्टी के साथ शिव नृत्य करते हुए चल रहे थे, वहीं नासिक का डोल भी आकर्षण का केंद्र रहा।

**एक दर्जन से अधिक जगह हुआ स्वागत**  
शहर में निकले भव्य जुलूस का एक दर्जन से अधिक स्थानों पर जोरदार स्वागत हुआ। जिसमें शहरवासियों ने पुड़ी-सब्जी, फल, शर्बत, चाय, दूध आदि के साथ स्वागत किया। स्वागत करने वालों में श्रीकृष्ण गोसेवा

समिति, वाल्मीकि समाज, जीतमेलजी की धर्मशाला, पौरवाल परिवार, धाकड़ समाज, बड़ के बालाजी सेवा समिति, ओम सुपर मार्केट, अग्रवाल समाज, माली समाज, सूर्यमुखी हनुमान मंदिर, विश्व हिन्दू परिषद, भाटिया एंड कंपनी, जाखड़, एमआर, जगदम्बा देवस्वल्, सुभन कंस्ट्रक्शन कंपनी, यादव अहीर समाज, राठौर समाज, कोटा वाला परिवार, प्रजापति समाज, पाटीदार समाज, शगुन ग्रीन सिटी, लाइन क्लब, रोटी व इन व्हील क्लब, आतिथ्य रेस्टोरेंट, विश्वकर्म समाज, सूरज ड्रम स्टोर, मंगलपुरा व्यापार समिति, दाऊजी मंदिर, शिवशक्ति गणपति सेवा समिति मुस्लिम समाज, हिन्दू परिषद,

श्रीरामसेवासमिति, खेजड़ी के बालाजी मंदिर समिति सहित कई लोगों ने जोरदार स्वागत किया।

**झाकियों सजाई**  
जुलूस में आदर्श विद्या मंदिर की ओर से सजीव झांकी शामिल की गई। जिसमें भगतसिंह, महाराणा प्रताप, चन्द्र शेखर आजाद, स्वामी विवेकानन्द, भारत माता आदि की सजीव झाकियां सजाई गईं।

**समिति ने जताया आभार**  
हिन्दू वर्ष के मौके पर बुधवार को शांतिपूर्वक जुलूस निकलने पर समिति की ओर से जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया।



झालावाड़, जुलूस में नासिक के डोल बजाते युवा।



झालावाड़, मंच पर रास लीला का मनन करते श्रीकृष्ण।

**झालावाड़, नृत्य करते हुए कलाकार।**

सृष्टि की उत्पत्ति से पहले व बाद में भी हिन्दू वैदिक धर्म था- द्वारकेश महाराज

झालावाड़, हिन्दू नववर्ष जुलूस के समापन पर गढ़ गणपति मंदिर पर द्वारकेश महाराज, संत झंकारेश्वर दास व राजपरिवार के पूर्व सदस्य चन्द्रजीतसिंह ने महाआरती की। इसके बाद द्वारकेश महाराज ने कहा कि जिस दिन से सृष्टि का प्रारंभ हुआ, उसी दिन से सनातन धर्म की स्थापना हुई। सृष्टि के पूर्व व विनाश के बाद भी जो रहने वाला है, वो है सनातन धर्म। हिन्दू व सनातन धर्म की परम्परा में जीने वालों के लिए ये गौरव का विषय है कि जहां सभी हिन्दू धर्म की विचारधाराएं एक हैं।

धर्म की कई शाखाएं हैं। महाराज ने कहा कि अलग-अलग विचारधाराओं के लिए संत वैसी ही बात करते हैं। लोग अपने-अपने झूठ का स्मरण करते हैं। हमारा धर्म व संस्कृति, परम्पराएं क्या हैं ये प्रत्येक हिन्दू को जानना चाहिए। आज ही के दिन सनातन धर्म की स्थापना हुई थी, इसलिए ये दिन विशेष है। संत झंकारेश्वरदास महाराज ने मन के विकार निकाल कर सज्जनाता को धारण करने की बात कही। राजपरिवार के पूर्व सदस्य चंद्रजीतसिंह ने आभार जताया।

हिन्दू धर्म की जड़ में चारों वेद हैं। उसके स्तम्भ में हिन्दू वैदिक सनातन धर्म हैं। वृक्ष की शाखाएं अलग-अलग होती हैं, उसी तरह से हिन्दू

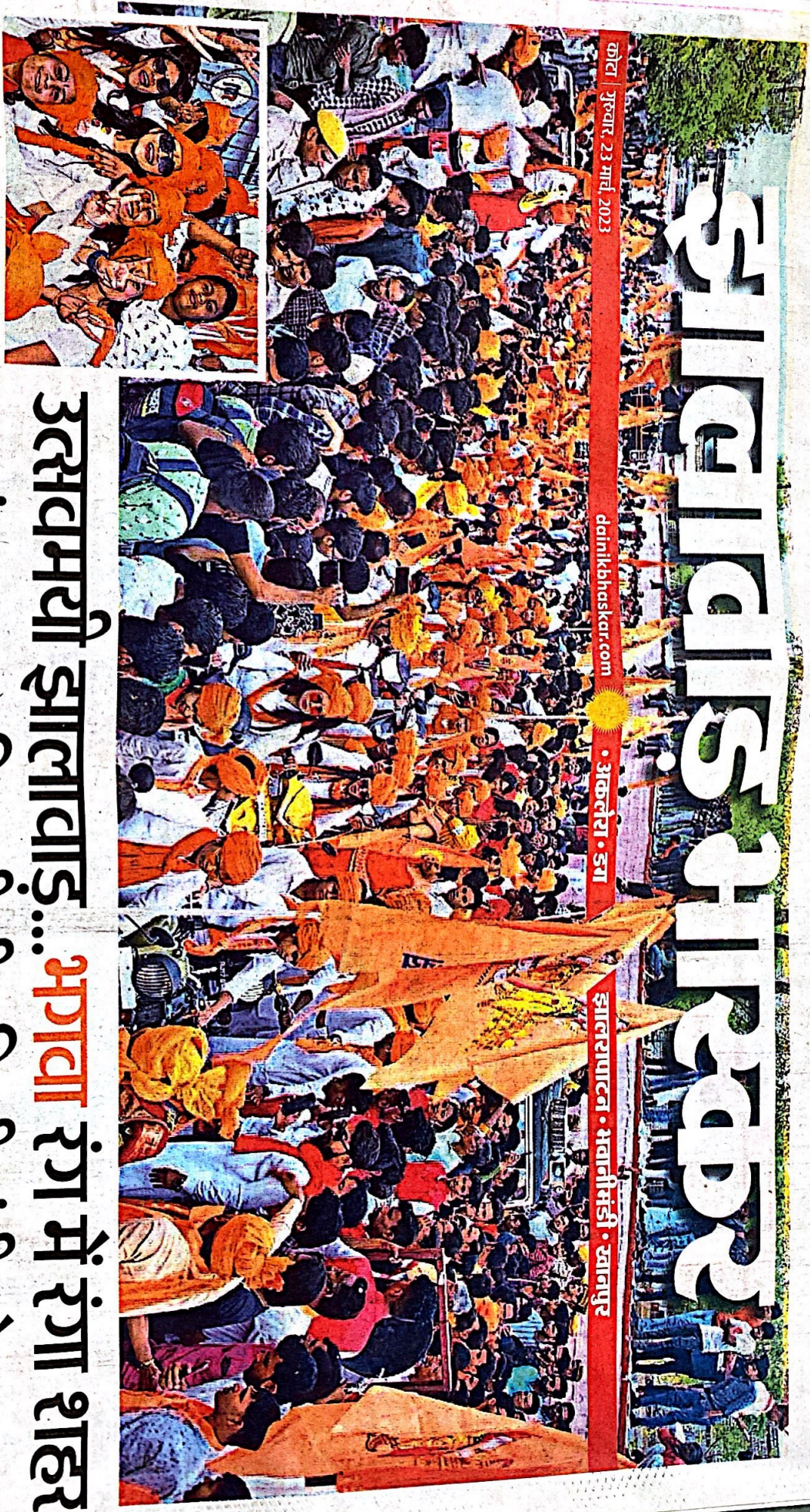
# झालावाड़ भारूकर

कोटा गुस्वार 23 मार्च, 2023

dainikhnaskar.com

• अकरोरा • इना

झालरापाटना • भवनीमंडी • झानपुर



अभिनंदन नवरसंवत्सर-2080

## उत्सवमयी झालावाड़... भगावा रंग में रंगा शहर नवरसंवत्सर पर निकली तीन किमी लंबी शोभायात्रा

उजैन के जय श्रीमहाकाल गुण ने ताशे, नासिक के ढोल और दिल्ली व वृंदावन के कलाकारों ने दी आकर्षक प्रस्तुतियां

यह रहा खास

भारत न्युज | झालावाड़

भक्ति गीतों के साथ उत्साह से नृत्य करते युवा-युवतियां  
व नासिक के ढोल के साथ भगवान राम के अवतारों में



हनुमान चातीसा से हुई शोभायात्रा की शुरुआत